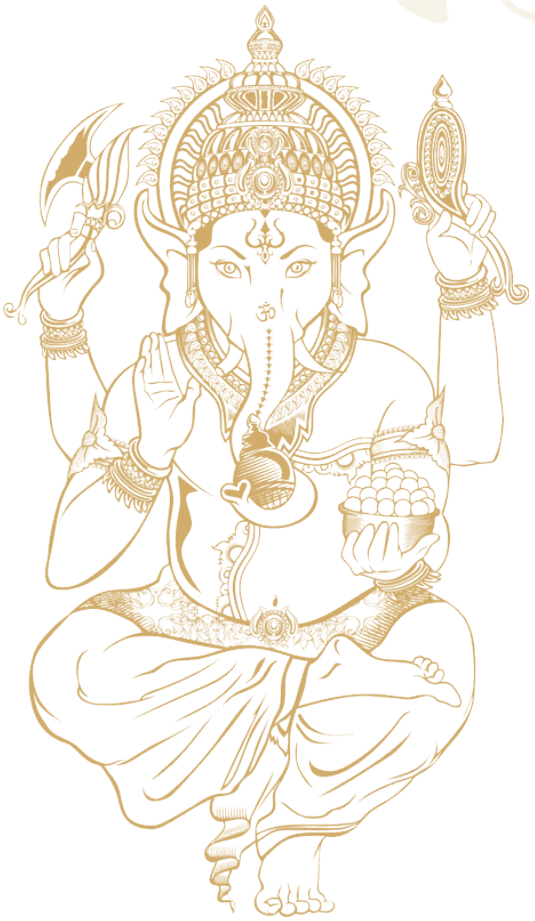

Veda

11 Jan 2025

02:25 AM

Verona

Model: web-freekundliweb

Order No: 121154705

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10-11/01/2025**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**02:25:00 घंटे**
इष्ट	46:16:01 घटी
स्थान	**Verona**
देश	Italy

अक्षांश	45:27:00 उत्तर
रेखांश	11:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	15:00:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:09:00 घंटे
वेलान्तर	-00:07:36 घंटे
साम्पातिक काल	09:32:15 घंटे
सूर्योदय	07:54:35 घंटे
सूर्यास्त	16:53:14 घंटे
दिनमान	08:58:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:51:35 धनु
लग्न के अंश	15:42:36 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शुक्ल
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वुभेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:42:36	269:56:19	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			धनु	26:51:35	01:01:07	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			वृष	20:04:27	14:03:24	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मूलत्रिकोण
मंगल	व		कर्क	04:01:03	00:23:40	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध			धनु	09:33:46	01:27:11	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
गुरु	व		वृष	18:04:02	00:04:47	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	14:01:23	01:00:50	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
शनि			कुंभ	21:08:34	00:05:17	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	स्वराशि
राहु	व		मीन	05:56:56	00:09:13	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
केतु	व		कन्या	05:56:56	00:09:13	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	29:13:17	00:01:00	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	---
नेप			मीन	03:15:24	00:01:09	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो			मक	07:10:23	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कर्क	26:27:43	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:25

लग्न-चलित

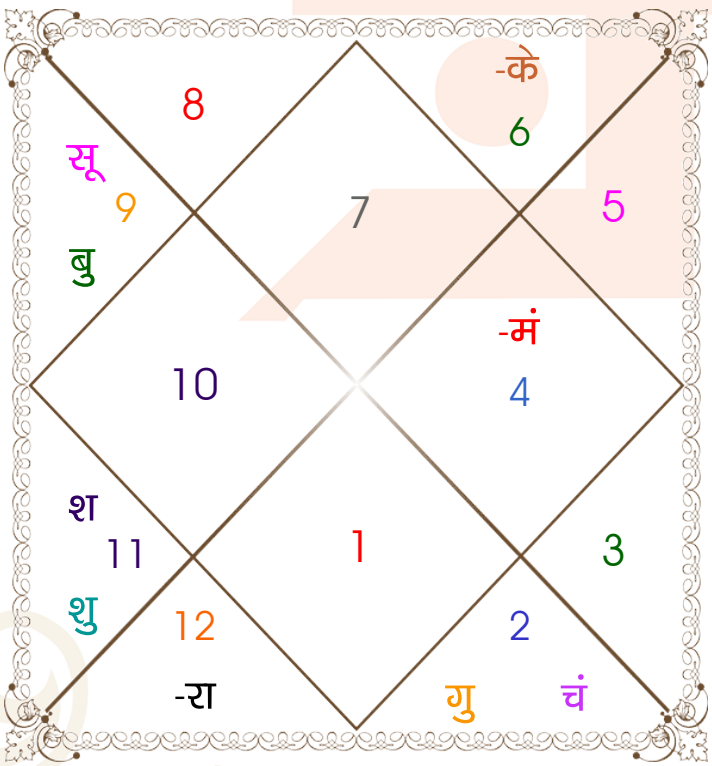

चन्द्र कुंडली

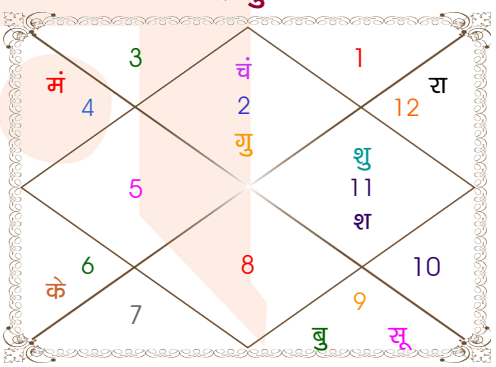

नवमांश कुंडली

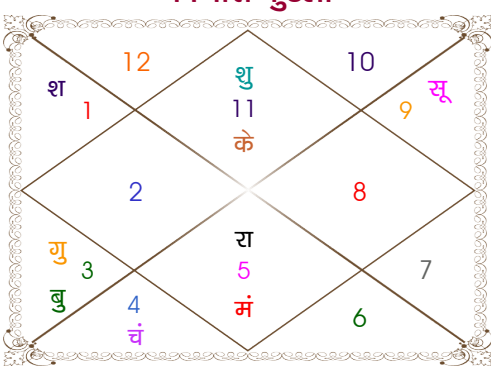

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 5 मास 10 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
11/01/2025		22/06/2027		22/06/2034		22/06/2052		22/06/2068	
22/06/2027		22/06/2034		22/06/2052		22/06/2068		22/06/2087	
	00/00/0000	मंगल	19/11/2027	राहु	04/03/2037	गुरु	10/08/2054	शनि	25/06/2071
	00/00/0000	राहु	06/12/2028	गुरु	29/07/2039	शनि	20/02/2057	बुध	05/03/2074
	00/00/0000	गुरु	12/11/2029	शनि	04/06/2042	बुध	29/05/2059	केतु	13/04/2075
	00/00/0000	शनि	22/12/2030	बुध	21/12/2044	केतु	04/05/2060	शुक्र	13/06/2078
	00/00/0000	बुध	19/12/2031	केतु	09/01/2046	शुक्र	03/01/2063	सूर्य	26/05/2079
	11/01/2025	केतु	16/05/2032	शुक्र	09/01/2049	सूर्य	22/10/2063	चंद्र	24/12/2080
केतु	22/04/2025	शुक्र	16/07/2033	सूर्य	03/12/2049	चंद्र	20/02/2065	मंगल	02/02/2082
शुक्र	22/12/2026	सूर्य	21/11/2033	चंद्र	04/06/2051	मंगल	27/01/2066	राहु	09/12/2084
सूर्य	22/06/2027	चंद्र	22/06/2034	मंगल	22/06/2052	राहु	22/06/2068	गुरु	22/06/2087

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
22/06/2087		23/06/2104		23/06/2111		23/06/2131		23/06/2137	
23/06/2104		23/06/2111		23/06/2131		23/06/2137		00/00/0000	
बुध	18/11/2089	केतु	19/11/2104	शुक्र	23/10/2114	सूर्य	11/10/2131	चंद्र	23/04/2138
केतु	15/11/2090	शुक्र	19/01/2106	सूर्य	23/10/2115	चंद्र	11/04/2132	मंगल	22/11/2138
शुक्र	15/09/2093	सूर्य	27/05/2106	चंद्र	23/06/2117	मंगल	16/08/2132	राहु	23/05/2140
सूर्य	23/07/2094	चंद्र	26/12/2106	मंगल	23/08/2118	राहु	11/07/2133	गुरु	22/09/2141
चंद्र	22/12/2095	मंगल	24/05/2107	राहु	23/08/2121	गुरु	29/04/2134	शनि	24/04/2143
मंगल	18/12/2096	राहु	10/06/2108	गुरु	23/04/2124	शनि	11/04/2135	बुध	22/09/2144
राहु	08/07/2099	गुरु	17/05/2109	शनि	23/06/2127	बुध	16/02/2136	केतु	12/01/2145
गुरु	14/10/2101	शनि	26/06/2110	बुध	23/04/2130	केतु	23/06/2136		00/00/0000
शनि	23/06/2104	बुध	23/06/2111	केतु	23/06/2131	शुक्र	23/06/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 5 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।